नीरज शर्मा

जन्म स्थान- नया गांव, सीतापुर (उ.प्र.)
शिक्षा- जूनियर हाईस्कूल
प्रकाशन- अनेक साझा संग्रहों एवं वेब पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित
सम्मान- अनेक सम्मान एवं पुरस्कार
संप्रति- निजी कार्य, मड़ियांव लखनऊ (उ.प्र.)

नया कहाँ से लायें

सब कहते कुछ नया लिखो पर नया कहाँ से लाएँ,
अब भी वही विसंगतियाँ हैं और वही विपदाएँ।
नया कहाँ से लाएँ?

अब भी निर्धन के चूल्हे पर चढ़ती है मजबूरी,
अब भी नीति नियन्ताओं की आँखें हैं तन्दूरी।
अब भी मेहनत के बदले में मिले न सुख से रोटी,
अब भी साहूकार नोचते मजदूरों की बोटी।
सहमी चीर हरण को लेकर अब भी द्रुपद सुताएँ,
अब भी वही विसंगतियाँ हैं और वही विपदाएँ।
नया कहाँ से लाएँ?

हृदय बोध पर अब भी हावी है धन की अभिलाषा,
अब भी पाखन्डों से मध्यम भक्ति भाव की श्वांँसा।
जगती को ठग रहे मौलवी और पुजारी देखो,
अन्ध पन्थ पर चलने वालों की मक्कारी देखो।
अब भी अन्तहीन हैं सच्चे लोगों की पीड़ाएँ,
अब भी वही विसंगतियाँ हैं और वही विपदाएँ।
नया कहाँ से लाएँ?

राजनीति में नीति नही अब भी अनीति है व्यापी,
अब भी एक दूसरे के प्रति मानव परसन्तापी।
अब भी दिलवालों को छलती है बे ढ़ंगी दुनिया,
लाज शर्म से रहित अभी भी तो है नंगी दुनिया।
ऐसे में हम नवल भोर नव चिन्तन कैसे गाएँ,
अब भी वही विसंगतियाँ हैं और वही विपदाएँ।
नया कहाँ से लाएँ?

अब भी ईश्वर हँसते होंगे हम सब के चिन्तन पर,
अब भी हमने बाँध न साधा अपने बहते मन पर।
कहने को हम हुए विकासी सेना के संवाहक,
विजयी नही हुए अब तक हम क्योंकि लड़ रहे नाहक।
अतः हमारे जीवन पथ में हैं अब भी बाधाएँ,
अब भी वही विसंगतियाँ हैं, और वही विपदाएँ।
नया कहाँ से लाएँ?

महक रही फुलवारी

अंग-अंग यूँ महके जैसे
महक रही फुलवारी।
रूप कि जिस पर गीत ग़ज़ल सब,हो जाएँ बलिहारी।

श्वेत कमल की पंखुड़ियों पर
तुहिन कणों का डेरा।
स्वेद बिन्दु जब मुखमंडल पर
आकर करें बसेरा।
तब-तब मन का विहग कल्पना,करता न्यारी-न्यारी।।
रूप कि जिस पर गीत ग़ज़ल सब,हो जाएँ बलिहारी।

जब पर्वत की भोर सरीखे
मोहक नैना खोलो।
अभिनंदन हो सप्त स्वरों का
जब भी तुम कुछ बोलो।
हिरनी भी शरमाये ऐसी, चाल मधुर मतवारी।।
रूप कि जिस पर गीत ग़ज़ल सब,हो जाएँ बलिहारी।

अधरों में वह सुधा सिन्धु जो
युग की प्यास बुझा दे।
ताप रूप का ऐसा है जो
पत्थर भी पिघला दे।
कैसे करूँ बखान कि तुमसे, सब उपमाएँ हारी।।
रूप कि जिस पर गीत ग़ज़ल सब,हो जाएँ बलिहारी।

ISSN:2583-8849